भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये रु.10

TEN RUPEES

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

NOTARIAL NOTARIAL

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)2000 GOVT. OF U.P. INDIA

ATTESTED

प्ररूप 26

(नियम 4क देखिए)

लखनऊ खण्ड शिक्षक ....निर्वाचन– क्षेत्र से (निर्वाचन क्षेत्र का नाम)

उत्तर प्रदेश विधान परिषद

(सदन का नाम) के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा नाम–निर्दे□ान पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाने वाला भापथ पत्र

भाग–क

मैं, राकेश कुमार शुक्ल **पुत्र/पुत्री/पत्नी उमा शंकर शुक्ल आयु 47 वर्ष, जो ग्राम पोस्ट- मुण्डेरी जनपद- सीतापुर (डाक का पूरा पता लिखें) का/की निवासी हूं, और उपरोक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी हूं, सत्यनिश्ठा से प्रतिज्ञा करता हूं/करती हूं, भापथ पर निम्नलिखित कथन करता हूं/करती हूं :–

(1) मैं एक स्वतंत्र अभ्यर्थी (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी /**एक स्वतंत्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ।

(**जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम 149 विधानसभा बिसवां (निर्वाचन–क्षेत्र और राज्य का नाम) सीतापुर उ.प्र. में भाग संख्या 63 के कम संख्या 449 पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा/मेरे 9956373721 संपर्क दूरभाश संख्या/संख्याएं है/है और rakeshkumarshukla5011@gmail.com मेरा ईमेल पता (यदि कोई हो) है तथा मेरा/मेरे सो ल मीडिया खाता/खाते (यदि कोई हो) निम्नलिखित है/हैं।

(i) व्हाट्सएप

(ii) फेसबुक

(iii) ....

राकेश कुमार शुक्ल

Sworn and verified before me

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Ca/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

(4) स्थायी खाता संख्या (पैन) और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

कम सं.	नाम	पीएएन (स्थायी खाता संख्या)	वह वित्तीय वर्श जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है।	पिछले पांच वित्तीय वर्शों (31 मार्च को) के लिए आय–कर विवरणी में दर्शित कुल आय (रूपये में)
1.	स्वयं	DGOPS5481N	2019-20	(i) 219000 (2015-16) (ii) 219450 (2016-17) (iii) 323650 (2017-18) (iv) 494053 (2018-19) (v) 581288 (2019-20)
2.	पति / पत्नी	'लागू नहीं' होता है।	लागू नहीं होता है।	(i) लागू नहीं होता है। (ii) लागू नहीं होता है। (iii) लागू नहीं होता है। (iv) लागू नहीं होता है। (v) लागू नहीं होता है।
3	हिंदू अविभक्त कुटुंब (यदि अभ्यर्थी कर्ता या सहदायिक है)	लागू नहीं होता है।	'लागू नहीं' होता है।	(i) लागू नहीं होता है। (ii) लागू नहीं होता है। (iii) लागू नहीं होता है। (iv) लागू नहीं होता है। (v) लागू नहीं होता है।
4	आश्रित–1	GRPPS0676R	लागू नहीं होता है।	(i) लागू नहीं होता है। (ii) लागू नहीं होता है। (iii) लागू नहीं होता है। (iv) लागू नहीं होता है। (v) लागू नहीं होता है।
5.	आश्रित–2	GODPS9717B	लागू नहीं होता है	(i) लागू नहीं होता है। (ii) लागू नहीं होता है। (iii) लागू नहीं होता है। (iv) लागू नहीं होता है। (v) लागू नहीं होता है।
6.	आश्रित–3	NAXPS3408E	लागू नहीं होता है।	(i) लागू नहीं होता है। (ii) लागू नहीं होता है। (iii) लागू नहीं होता है। (iv) लागू नहीं होता है। (v) लागू नहीं होता है।

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)2000 GOVT. OF U.P. INDIA

12.11.2020

02.57.84 **टिप्पणः** स्थायी खाता संख्या (पैन) धारक के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) का उल्लेख करना आज्ञापक होगा और कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) न होने की दशा में यह स्पश्ट रूप से कथन करना चाहिए कि "कोई स्थायी खाता संख्या (पैन) आबंटित नहीं हुआ है"।

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

12/11/2020

राकेश प्रसाद कुमार श्रीवास्तव

(5) लंबित आपराधिक मामले

(i) मैं यह घोशणा करता/करती हूं कि मेरे विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है।

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) मेरे विरूद्ध निम्नलिखित आपराधिक मामले लंबित हैं: 'लागू नहीं होता है।

(यदि अभ्यर्थी के विरुध्द कोई आपराधिक मामले लंबित है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें और नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों के ब्यौरे दें)

NOTARY
A.C. SINHA
Adv. & Notary
Distt. Lucknow
R. No. 31(35)2000
GOVT. OF U.P. INDIA

सारणी

(क)	संबध्द पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट संख्या	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय के नाम के साथ मामला संख्या	शून्य	शून्य	शून्य
(ग)	अंतर्वलित संबध्द अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा......................)	शून्य	शून्य	शून्य
(घ)	अपराध का संक्षिप्त विवरण	शून्य	शून्य	शून्य
(ड.)	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	शून्य	शून्य
(च)	यदि उपर्युक्त मद (ड.) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें, जिसको आरोप विरचित किए गए थे।	लागू नहीं होता है।	शून्य	शून्य
(छ)	क्या कार्यवाहियों के विरुध्द कोई अपील/पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	लागू नहीं होता नहीं	शून्य	शून्य

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow
12/11/2020

(6) दोशसिध्दि के मामले,–

(i) मैं यह घोशणा करता/~~करती~~ हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोशसिध्द नहीं किया गया है।

(यदि अभ्यर्थी के दोशसिध्द नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने 'लागू नहीं' होता है लिखें)

या

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोशसिध्द किया गया है: लागू नहीं होता है।

(यदि अभ्यर्थी के दोशसिध्द किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और उपरोक्त विकल्प (i) को काट दें, और नीचे दी गई सारणी में ब्यौरे दें)

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)2000 GOVT. OF U.P. INDIA

सारणी

(क)	मामला संख्यांक	शून्य	शून्य	शून्य
(ख)	न्यायालय का नाम	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
(ग)	अंतर्वलित अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की संख्या दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिता, आदि की धारा.........)	लागू नहीं होता है।	लागू नहीं होता है।	लागू नहीं होता है।
(घ)	अपराधों का संक्षिप्त विवरण, जिनके लिए दोशसिध्द किया गया है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है।	लागू नहीं होता है
(ङ.)	दोशसिध्द के आदे ों की तारीखें	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
(च)	अधिरोपित दंड	लागू नहीं होता है।	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
(छ)	क्या दोशसिध्द के आदे ा के विरुध्द कोई अपील फाईल की गई है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	नहीं
(ज)	यदि उपरोक्त मद (छ) का उत्तर हां है, तो अपील के ब्यौरे तथा वर्तमान प्रास्थिति दें	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है

(6क) मैंने, ऊपर पैरा (5) और (6) में दिए गए अनुसार मेरे विरुध्द सभी लंबित आपराधिक मामलों की और दोशसिध्दि के सभी मामलों के बारे में अपने राजनीतिक दल को पूरी और अद्यतन सूचना दे दी है। 'लागू नहीं' होता है।

[ऐसे अभ्यर्थियों को, जिन्हें यह मद लागू नहीं होती है, उपरोक्त पैरा 5(i) और पैरा 6(i) में की **प्रविश्टियों को देखते हुए, स्पश्ट रूप से लागू नहीं होता है,** लिखना चाहिए]

टिप्पण:

1. ब्यौरे स्पश्ट रूप से और सुपाठ्य रूप से बड़े अक्षरों में प्रविश्ट किए जाने चाहिए।
2. प्रत्येक मद के मामले विभिन्न स्तंभों के अधीन प्रत्येक मामले के लिए ब्यौरे पृथक रुप से दिए जाए।

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow
24/11/2020

सत्येन्द्र कुमार शुक्ला

3. ब्यौरे विलोम कालानुक्रम में दिए जाने चाहिए, अर्थात नवीनतम मामलों को पहले वर्णित किया जाए और अन्य मामलों के लिए तारीखों के क्रम में पीछे की ओर वर्णित किया जाए।
4. यदि अपेक्षित हो तो पृथक भीट जोड़ी जा सकती हैं।
5. अभ्यर्थी 2011 की रिट याचिका (सिविल) संख्या 536 में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुपालन में सभी सूचनायें देने का उत्तरदायी होगा"।

(7) यह कि मैं, मेरे पति या पत्नी और सभी आश्रितों की आस्तियों (जंगम और स्थावर आदि) के ब्यौरे नीचे देता हूँ:

अ. जंगम आस्तियों के ब्यौरे :

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्िात करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – जमा/विनिधान की दि ाा में क्रम संख्या रकम जमा की तारीख, स्कीम, बैंक/संस्था का नाम और भाखा सहित ब्यौरे दिए जाने हैं।

NOTARY
A.C. SINHA
Adv. & Notary
Distt. Lucknow
R. No. 31(35)200

टिप्पण 3 – सूचीबद्ध कंपनियों के संबंध में बंधपत्रों/ ोयर डिबेंचरों का मूल्य स्टॉक एक्सचेंजों में चालू बाजार मूल्य के अनुसार और गैर सूचीबद्ध कंपनियों की द ाा में लेखाबहियों के अनुसार दिया जाना चाहिए।

टिप्पण 4 – "आश्रित" से अभ्यर्थी के माता–पिता, पुत्र, पुत्री या पति या पत्नी और अभ्यर्थी से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, चाहे वह रक्त द्वारा हो या विवाह द्वारा, अभिप्रेत है (हैं), जिसके आय के पृथक साधन नहीं है और जो अपने जीवनयापन के लिए अभ्यर्थी पर आश्रित हैं।

टिप्पण 5 – प्रत्येक विनिधान के संबंध में रकम सहित ब्यौरे अलग–अलग रुप में दे जाने हैं।

टिप्पण 6 – ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।

स्पश्टीकरण: इस टिप्पण के प्रयोजन के लिए "अपतट आस्तियों" पद से विदे ाी बैंकों और किसी अन्य विदे ाी निकाय या संस्था में सभी जमा रा ायों या विनिधानों के ब्यौरे और विदे ाों में सभी आस्तियों और दायित्वों के ब्यौरे अभिप्रेत हैं:

क.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	हाथ में नकदी	150000/-	लागू नहीं है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
(ii)	बैंक खातों में जमा के ब्यौरे (नियत जमा, आवधिक जमा और अन्य सभी प्रकार के जमा जिसमें बचत खाते भी हैं), वित्तीय संस्थाओं, गैर बैंककारी वित्तीय कंपनियों और सहकारी सोसाइटियों के पास जमा और ऐसे प्रत्येक जमा में रकम	21753.24=	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
(iii)	कंपनियों/पारस्परिक निधियों और अन्य में बंधपत्रों, डिबेंचरों/ ोयरों तथा यूनिटों में विनिधान के ब्यौरे और रकम	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

राकेश कुमार

(iv)	राष्ट्रीय बचत योजना, डाक बचत, बीमा पालिसियों में विनिधान के ब्यौरे और डाकघर या बीमा कंपनी में किन्हीं वित्तीय लिखतों में विनिधान और रकम	7 लाख की बीमा पालिसी.	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	किसी व्यक्ति या निकाय जिसमें फर्म, कंपनी न्यास आदि को दिए गए वैयक्तिक ऋण/अग्रिम और ऋणियों से अन्य प्राप्य तथा रकम	लागू नहीं होता है)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	मोटर वाहन/वायुयान/याच/पोत (मेक, रजिस्ट्रीकरण संख्या आदि क्रय करने का वर्श और रकम)	लागू नहीं होता है	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vii)	जेवरात, बुलियन और मूल्यवान वस्तु (वस्तुएं) (भार और मूल्य के ब्यौरे)	40 ग्रा० सोना रु० 2 लाख 500 ग्रा० चांदी 30 हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(viii)	कोई अन्य आस्तियां जैसे कि दावों/हित का मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ix)	सकल कुल मूल्य	दो लाख तीस हजार	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ख. स्थावर आस्तियों के ब्यौरे

टिप्पण 1 – संयुक्त स्वामित्व की सीमा को उपदर्शित करते हुए संयुक्त नाम में आस्तियों का भी विवरण दिया जाना है।

टिप्पण 2 – प्रत्येक भूमि या भवन या अपार्टमेंट का इस संरुप में पृथकतया वर्णन किया जाना चाहिए।

टिप्पण 3 – **ब्यौरों में अपतट आस्तियों का स्वामित्व या उनमें हित सम्मिलित होना चाहिए।**

क.सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	कृशि भूमि की अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)	926, 946, 947, 955, [illegible], 1155, 1179, 1239, 1532	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (एकड़ में कुल माप)	3.89 हे०	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में आई संपत्ति है (हां या नहीं)	हाँ	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	स्वार्जित संपत्ति की दशा में क्रय की तारीख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की दशा में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	10 लाख	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	**गैर–कृशि भूमि :** अवस्थिति (अवस्थितियां) सर्वेक्षण संख्या (संख्याऐं)	शून्य		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य		शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)2000 GOVT. OF U.P. INDIA

ASHOK CHANDRA SINHA ADVOCATE & NOTARY 569, Cha/84, Prem Nagar Alambagh, Lucknow 11/2020

राजेन्द्र कुमार शुक्ल

	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ा में क्रय की तारीख	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ा में)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
(iii)	वाणिज्यिक भवन (अपार्टमेंट सहित) **–अवस्थिति (अवस्थितियां)** **–सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)**	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ा में क्रय की तारीख	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	लागू नहीं
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ा में)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से संपत्ति पर कोई विनिधान	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
(iv)	आवासीय भवन (अपार्टमेंट सहित) **–अवस्थिति (अवस्थितियां)** **–सर्वेक्षण संख्या (संख्याएं)**	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	निर्मित क्षेत्र (वर्ग फुट में कुल माप)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	क्या विरासत में मिली हुई संपत्ति है (हां या नहीं)	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं
	स्वार्जित संपत्ति की द ा में क्रय की तारीख	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	क्रय के समय भूमि की लागत (क्रय की द ा में)	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	विकास, संनिर्माण आदि के माध्यम से भूमि पर कोई विनिधान	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है	लागू नहीं होता है
	अनुमानित वर्तमान मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(v)	**अन्य** (जैसे कि संपत्ति में हित)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(vi)	पूर्वोक्त (i) से (v) का कुल वर्तमान	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

NOTARY
A.C. SINHA
Adv. & Notary
Distt. Lucknow
R. No. 31(35)
GOVT. OF U.P.

17/11/202

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569 Cha/84, Prem Nagar
Alambagh Lucknow

	बाजार मूल्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

(8) मैं, लोक वित्तीय संस्थाओं और सरकार के प्रति देयताओं/देय राि ा के ब्यौरे नीचे देता हूं :–
(टिप्पण : कृपया बैंक, संस्था, निकाय या व्यश्टिक के नाम और उनमें प्रत्येक मद के समक्ष रकम के ब्यौरों का अलग–अलग विवरण दें)

क. सं.	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(i)	बैंक/वित्तीय संस्था (संस्थाओं) को ऋण या देय राि ा बैंक या वित्तीय संस्था का नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	BOB 75000-00 Bajaj 42000-00	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	पूर्वोक्त वर्णित से भिन्न किन्हीं अन्य व्यश्टिकों, निकाय को ऋण या देय राि ा नाम, बकाया रकम, ऋण की प्रकृति	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	कोई अन्य **देयता**	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
	देयताओं का सकल योग	115000-00	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
(ii)	सरकारी भोध्य : सरकारी आवास से संबंधित विभागों को भोध्य	क. क्या अभिसाक्षी वर्तमान निर्वाचन की अधिसूचना की तारीख से पूर्व पिछले दस वर्श के दौरान किसी समय सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास के अधिभोग में है? ख. यदि उपरोक्त (क) का उत्तर हां है तो निम्नलिखित घोशणा प्रस्तुत करें, अर्थात्:– (i) सरकारी आवास का पताः ....लागू नहीं होता है........ .... (ii) उपरोक्त सरकारी आवास के संबंध में, निम्नलिखित के मद्दे कोई भोद्य संदेय नहीं है:– (क) भाटक ; (ख) विद्युत प्रभार ; (ग) जल प्रभार ; और (घ) ...शून्य...(तारीख) को टेलीफोन प्रभार [तारीख उस मास से, जिसमें निर्वाचन अधिसूचित किया जाता है, पूर्व तीसरे मास की अंतिम तारीख या उसके प चात् की कोई तारीख होनी चाहिए] टिप्पण–उपरोक्त सरकार आवास के लिए भाटक, विद्युत					हां/नहीं (कृपया उपयुक्त विकल्प पर सही का नि ाान लगाएं) नहीं

NOTARY
A.C. SINHA
Adv. & Notary
Distt. Lucknow
R. No. 31(35)2000
GOVT. OF U.P. INDIA

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh Lucknow

(iii)	सरकारी परिवहन से संबंधित विभाग को शोध्य (जिसके अंतर्गत वायुयान और हेलीकॉप्टर भी है)	x	x	x	x	x	x
(iv)	आयकर शोध्य	x	x	x	x	x	x
		स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
(v)	जीएसटी शोध्य	x	x	x	x	x	x
(vi)	नगरपालिका/संपत्ति पर शोध्य	x	x	x	x	x	x
(vii)	कोई अन्य शोध्य						
(viii)	सभी सरकारी शोध्य का कुल योग	शून्य	x	x	x	x	x
(ix)	क्या कोई अन्य दायित्व विवादग्रस्त है, यदि ऐसा है तो उसमें अंतर्वलित रकम का और प्रधिकारी का, जिसके समक्ष यह लंबित है, उल्लेख करें।"–	नहीं	x	x	x	x	x

(9) वृत्ति या उपजीविका के ब्यौरे :

(क) स्वयं .... कृषि, शिक्षक

(ख) पति या पत्नी x

(9क) आय के स्रोतों के ब्यौरे :

(क) स्वयं .... कृषि आय, मानदेय

(ख) पति या पत्नी x

(ग) आश्रित के आय के स्रोत, यदि कोई हों............ x

(9ख) समुचित सरकार और किसी पब्लिक कम्पनी या कम्पनियों के साथ संविदाए–

(क) अभ्यर्थी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे............ x

(ख) पति या पत्नी द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे............ x

(ग) आश्रित द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे............ x

(घ) हिंदू अविभक्त कुटुम्ब या न्यास, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित हितबध्द हैं, द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे............ x

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)2000 GOVT. OF U.P. INDIA

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

2/11/2020

सोमेन्द्र कुमार शुक्ल

(ड़) भागीदारी फर्मों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रित भागीदार है..........×..........

(च) प्राइवेट कंपनियों द्वारा की गई संविदाओं के ब्यौरे, जिसमें अभ्यर्थी या उसका पति या पत्नी या आश्रितों हिस्सा हैं..........×..........

(10) **मेरी शैक्षिक अर्हता नीचे दिए अनुसार है:–**

परास्नातक डा० राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय फैजाबाद

(प्रमाणपत्र / डिप्लोमा / डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण प्ररूप का उल्लेख करते हुए उच्चतम विद्यालय / विश्वविद्यालय शिक्षा के ब्यौरे देते हुए विद्यालय / महाविद्यालय / विश्वविद्यालय का नाम और उस वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरा दें)

भाग–ख

(11) भाग–क के (1) से (10) मे तक में दिए गए ब्यौरों का सारांश

1.	अभ्यर्थी का नाम	श्री / श्रीमती / कु. राकेश कुमार शुक्ल
2	डाक का पूरा पता	ग्राम व पोस्ट – मुण्डेरी जनपद – सीतापुर
3.	निर्वाचन क्षेत्र की संख्या और नाम तथा राज्य	लखनऊ खण्ड शिक्षक विधान परिषद निर्वाचन क्षेत्र उ०प्र०
4.	उस राजनैतिक दल का नाम जिसने अभ्यर्थी को खड़ा किया है (अन्यथा 'निर्दलीय' लिखें)	निर्दलीय
5.	लंबित आपराधिक मामलों की कुल संख्या	शून्य
6.	ऐसे मामलों की कुल संख्या जिनमें दोषसिध्द ठहराया गया है।	शून्य

7.		स्थायी लेखा संख्या (पैन)	वह वर्ष जिसके लिए अंतिम आय–कर विवरणी फाइल की गई है	कुल दर्शित आय
	(क) अभ्यर्थी	DGOPS5481N	2019-2020	581288.00
	(ख) पति या पत्नी	×	×	×
	(ग) हिंदू अविभक्त कुटुंब	×	×	×
	(घ) आश्रित	×	×	×

8.	आस्तियों और दायित्वों (अपतट आस्तियों सहित) के रूपयों में ब्यौरे						
	विवरण	स्वयं	पति या पत्नी	हिंदू अविभक्त कुटुंब	आश्रित–1	आश्रित–2	आश्रित–3
क.	जंगम आस्तियां (कुल मूल्य)	×	×	×	×	×	×

NOTARY
A.C. SINHA
Adv. & Notary
Distt. Lucknow
R. No. 31(35)/[illegible]
GOVT. OF U.P. INDIA

राकेश कुमार शुक्ल

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

[illegible]/2020

ख		स्थावर आस्तियां	100000=00	×	×	×	×	×
	i	स्वार्जित स्थावर संपत्ति की क्रय कीमत	×	×	×	×	×	×
	ii	क्रय के पश्चात् स्थावर संपत्ति की विकास/संनिर्माण लागत (यदि लागू हो)	×	×	×	×	×	×
	iii	निम्नलिखित का अनुमानित वर्तमान बाजार मूल्य– (क) स्वार्जित आस्तियां (कुल मूल्य) (ख) विरासती आस्तियां (कुल मूल्य)	शून्य 100000=00	×	×	×	×	×
9		देयताएं						
	i	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	×	×	×	×	×
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	115000=00	×	×	×	×	×
10		ऐसे देयताएं जो विवादाधीन हैं	नहीं	×	×	×	×	×
	i	सरकारी देय राशि (कुल)	शून्य	×	×	×	×	×
	ii	बैंक, वित्तीय संस्थाओं और अन्य से ऋण (कुल)	115000=00	×	×	×	×	×
11		उच्चतम शैक्षणिक अर्हताः परास्नातक 2011 डा० राम मनोहर लोहिया अवध विश्व विद्यालय फैजाब (प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम के पूर्ण रुप का उल्लेख करते हुए, उच्चतम विद्यालय/विश्वविद्यालय शिक्षा, विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम और वर्ष जिसमें पाठ्यक्रम पूरा किया गया था, का ब्यौरे दें।)						

NOTARY A.C. SINHA Adv. & Notary Distt. Lucknow R. No. 31(35)/00 GOVT. OF U.P. INDIA

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित, अभिसाक्षी इसके द्वारा यह सत्यापन और घोषणा करता हूं कि इस शपथपत्र की विषय–वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और सही है, और इसका कोई भाग मिथ्या नहीं है तथा इसमें से कोई भी तात्विक तथ्य नहीं छिपाया गया है। मैं यह और घोषणा करता हूं कि :–

(क) मेरे विरूद्ध उपर भाग क और ख की मद 5 और 6 में उल्लिखित दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामले से भिन्न कोई दोषसिद्धि का मामला या लंबित मामला नहीं है:

(ख) मेरे पति या पत्नी या मेरे आश्रितों के पास उपर भाग क की मद 7 और 8 तथा भाग ख की मद 8, 9 और 10 में उल्लिखित आस्ति या देयता से भिन्न कोई आस्ति या देयता नहीं है।

आज तारीख 12-11-2020 को सत्यापित किया गया।

राकेश कुमार शुक्ल

अभिसाक्षी

Sworn and Verified before me

ASHOK CHANDRA SINHA
ADVOCATE & NOTARY
569, Cha/84, Prem Nagar
Alambagh, Lucknow

राकेश कुमार शुक्ल